
मनसा सेवा - 43

अव्यक्त बापदादा :- (25/12/1989)

» _ » सभी सेवा में सहयोगी हो? जिसे समय नहीं मिलता, सरकमस्टेंस है - वह हाथ उठाओ। मनसा सेवा तो सब कर सकते हो ना? **बिजी रहने के लिए सेवा बहुत अच्छा साधन है। जितना अपने को बिजी रखेंगे उतना सेफ रहेंगे।** चाहे मनसा करो, चाहे वाचा करो, चाहे कर्मणा करो लेकिन बुद्धि से बिजी जरूर रहो नहीं है।

» _ » हाथ पांव से तो रहते हो लेकिन बुद्धि से बिजी रहो अपना टाइम टेबल बनाओ। जितना बड़ा आदमी इतना टाइम टेबल फिक्स होता है। तो आप बड़े से बड़े आदमी हो ना! **सारे कल्प में ढूंढ करके आओ - ब्राह्मणों से बड़ा कोई है! देवताये भी नहीं हैं। चाहे आप ही देवता वनेंगे लेकिन इस जीवन के आगे वह भी कुछ नहीं है। जीवन है तो ब्राह्मण जीवन अति श्रेष्ठ है।**

»» सेवा में सहयोगी बनाना अर्थात मदद करना...

- » _ » संगठन में सहयोग का बहुत महत्त्व है..
 - सहयोग होने से क्रियेटिविटी ज्यादा होती है...
 - सफलता ज्यादा मिलती है...

»» सहयोग की शक्ति के साथ और भी दिव्य गुण आते हैं...

- » _ » एक दो के प्रति सम्मान
- » _ » एक दो के प्रति समझ विकसित होती है...
- » _ » सहनशक्ति
- » _ » धैर्यता
- » _ » समाने की भावना

»» हम कैसे सहयोग कर सकते हैं?

- » _ » धन का सहयोग
- » _ » समय का सहयोग
- » _ » कभी किसी कार्य में हमारी उपस्थिति ही एक सहयोग होती है...
- » _ » किसी की बात सुन लेना भी एक सहयोग है...
- » _ » प्राकृतिक आपदाओं में भोजन, वस्त्रादि का सहयोग...
- » _ » दूसरों को उमंग उत्साह का सहयोग देना..
 - सहयोग का बहुत महत्त्व है..

■ कितनी आत्माओं के सहयोग से भंडारे की सेवा होती है...

■ प्रभु मिलन के समय कितनी आत्माओं का सहयोग होता है,
तब प्रभु मिलन सुखद होता है..

➤➤ बिजी रहने के लिए सेवा सहज साधन है...

➤➤_ ➤➤ जितना बिजी रहेंगे, उतना सेफ रहेंगे...

→ बुद्धि को बिजी कैसे रखें?

■ विचार सागर मंथन करना...

■ वो चीजे करना, जो हमारे लक्ष्य के हमें नजदीक लाये...

■ भोजन बनाने का समय योग में सफल करना...

■ कोई भी चीज पर फॉक्स करना...

▶ जैसे किसी टोपिक पर लिखना...

■ बाबा से सम्बन्ध जोड़ना...

▶ उस सम्बन्ध की गहरे में जाना...

■ सेवाओं में नवीनता, रमनिकता लाना...

➤➤ अपनी दिनचर्या को सेट करना है...

➤➤_ ➤➤ दिनचर्या में क्या ध्यान रखे...

→ पुरे दिन में हम कब चुस्त रहते हैं, वह समय निकलकर पढाई करना...

→ postponed करने की आदत को हटाना...

→ पुरुषार्थ में नियमितता हो..

→ उमंग उत्साह, खुशी हो...

→ पर चिन्तन, व्यर्थ चिन्तन, व्यर्थ चर्चा न हो...

➤➤ ब्राह्मण जीवन अति श्रेष्ठ जीवन है...

➤➤_ ➤➤ मौजों का जीवन है...

➤➤_ ➤➤ बोझ उतारने का जीवन है...
